

Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika
Editorial Board - March -2017
Executive Board

PATRON

Dr. M.D. Pathak
Chairman, Centre for Research &
Development of Waste & Marginal Land
Ex. Director General, U.P. Council of
Agriculture Research, U.P.
Ex. Director, Research and Training,
International Rice Research Institute,
Manila, Philipines
pathakmd1@gmail.com

EDITOR

Dr. Rajeev Misra
Secretary,
Social Research Foundation,
Kanpur
Indra.rajeev@gmail.com

EDITOR-IN -CHIEF

Dr. Asha Tripathi
Senior Vice-President,
Social Research Foundation,
Kanpur
asha23346@gmail.com

EDITORIAL-ADVISORY BOARD

Economics

Dr. Anil Kumar
S.D. College, Ambala
Dr. Sulochna Meena
Govt. College, Tonk

Hindi

Manjula Sharma
T.D.B. College, Raniganj
Dr. Anil Kumar Upadhyay
Govt. P.G. College

Political Science

Dr. Krishna Kumar
BPSMV University, Haryana
Dr. Pravesh Pandey
ShriGuruNanakMahila
Mahavidyalaya, Jabalpur

Geography

Dr. Kaustubh N. Mishra
Budha Post Graduate College,
Kushinagar
Dr. Jai Bharat Singh
Govt Dungar College, Rajasthan

Management

Mr. Ashwini Deswal
IBMR B School, Sector- 33,
Gurgaon
Dr. Sarat Borah
C.K.B. Commerce College,
Jorhat

Law

Shubhangini Saxena
BPS Mahila University,
Khanpur, Haryana
Dr. J.V. Shiva Kumar
Telangna University

Home Science

Dr. Deepshikha Pandey
C.R.D. Arya Mahila P.G. College
Gorakhpur
Dr. Kanak Mishra
S.N.G.G.P.G.College,
Shivaji Nagar, Bhopal

Education

Dr. Manisha Sharma
G.S. Teachers Training College,
Udaipur
Dr. Komal Sharma
Shivalik Hills College of
Education, Patti

Botany

Dr. Lalit Singh
D.B.S. PG College, U.K.
Dr. K. P. Chamoli
Govt P.G.College,
Augustyamuni, Rudraprayag

Antropology

Dr. Chandana Sarma
Cotton College, Assam
Dr. Ram Bharose
SHAITS Deemed University,
Allahabad

Sanskrit

Dr. Ashok Kumar Dubey
B.S.N.V. PG College, Lucknow
Dr. Ashok Kanwar Shekhawat
Rajkiya P.G. College, Jhalawar

सम्पादकीय.....

सुधी पाठको,

मित्रों, भारतीय शिक्षा की त्रासदी यह है कि सत्तासीन व सत्ता से बाहर सभी राजनेता व शिक्षाविद् इसके महत्व और मानव-निर्माण के महत्व को स्वीकार तो करते हैं किन्तु इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते— यहाँ तक कि इसकी उपेक्षा भी करते रहे हैं। आर्थिक विकास की तुलना में हम विकास की तुलना में हम विकास के इस सर्वोत्तम साधन को बहुत गौण स्थान देते रहे हैं। निःसन्देह प्राथमिक शिक्षा को राष्ट्र के विकास की नींव माना जाता है लेकिन वही क्षेत्र सबसे ज्यादा उपेक्षित रहा है। अपने ही प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों की हालत किसी से छुपी नहीं है। लगभग 40 से 50 प्रतिशत शिक्षकों के पद रिक्त चल रहे हैं। परिणाम यह है कि एक या दो शिक्षकों से ही पूरे विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था चलवाई जा रही है।

गुणवत्ता की दृष्टि से तो स्थिति और भी खराब है एक ओर हम सभी के लिए शिक्षा का अभियान चला रहे हैं तो दूसरी तरफ लाखों बच्चों को केवल अक्षर ज्ञान करा देने की धोखा धड़ी कर रहे हैं और राष्ट्र की भावी पीढ़ी के भविष्य को अन्धकारमय बना रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति भी कुछ इससे अच्छी नहीं है। आखिर कब तक ऐसा चलेगा? आखिर कब तक हम भारत के पढ़े लिखे कहे जाने वाले प्रबुद्ध नागरिक भी अपनी ओर से कोई अपनी पहल न करके सरकार की तरफ निहारते रहेंगे।

हम यह उम्मीद करते हैं कि आप अपने नये तार्किक विचारों को हमारे शोध प्रकाशन में प्रकाशित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने वाले इस यज्ञ में अपना अमूल्य योगदान देते रहेंगे।

धन्यवाद.....

(डा० राजीव मिश्रा)
सम्पादक

मुद्रक/प्रकाशक डा० राजीव कुमार मिश्रा द्वारा ए. एण्ड एस. कम्प्यूटर्स, 127/1/61, डब्ल्यू-1, साकेत नगर, कानपुर से मुद्रित एवं 128/170, एच ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर से प्रकाशित।

संपादक : राजीव कुमार मिश्रा, Mobile No. 9335332333, 9839074762

Mail id: socialresearchfoundation2010@gmail.com, socialresearchfoundationkanpur@gmail.com, socialresearchfoundation@gmail.com, website: www.socialresearchfoundation.com